

## अधिवक्ता संशोधन अधिनियम, 2023

### प्रलिस के लिये:

अधिवक्ता संशोधन अधिनियम, 2023, दलाल, [अधिवक्ता अधिनियम, 1961](#), बार काउंसिल, अखलि भारतीय बार

### मेन्स के लिये:

न्यायालय में कानूनी प्रथाओं में सुधार के लिये अधिवक्ता संशोधन अधिनियम, 2023 का महत्त्व ।

[स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस](#)

## चर्चा में क्यों?

हाल ही में अधिवक्ता संशोधन अधिनियम, 2023 लोकसभा और राज्यसभा में पारित हो गया । इसका उद्देश्य कानूनी प्रणाली से 'दलाल' को बाहर करना था ।

- वधियक कानूनी व्यवसायी अधिनियम, 1879 को नरिसूत करता है और अधिवक्ता अधिनियम, 1961 में संशोधन करता है, ताकि "कानून की कतिाब में अनावश्यक अधिनियमों की संख्या" को कम किया जा सके और सभी "अप्रचलित कानूनों" को नरिसूत किया जा सके ।

## अधिवक्ता संशोधन अधिनियम, 2023 की मुख्य वशिषताएँ क्या हैं?

- दलाल (Tout):**
  - इस वधियक में प्रावधान है कि प्रत्येक उच्च न्यायालय, ज़िला न्यायाधीश, सत्र न्यायाधीश, ज़िला मजिसूटरेट व राजसूव अधकिारी (ज़िला कलेक्टर के पद से नीचे नहीं) दलालों की सूची बनाकर इसे प्रकाशति कर सकते हैं ।
  - दलाल (Tout) उस व्यक्ती को संद्रभति करता है, जो:**
    - या तो कसिी भुगतान के बदले में कसिी कानूनी व्यवसाय में कसिी कानूनी व्यवसायी का रोज़गार प्राप्त करने का प्रस्ताव करता है या प्राप्त करता है ।
    - ऐसे रोज़गार प्राप्त करने के लिये दीवानी या फ़ौज़दारी अदालतों के परसिर, राजसूव-कार्यालयों, या रेलवे स्टेशनों जैसे स्थानों का बार-बार उपयोग किया जाता है ।
    - न्यायालय या न्यायाधीश कसिी भी ऐसे व्यक्ती को न्यायालय परसिर से बाहर कर सकता है जसिका नाम दलालों सूची में शामिल है ।
- सूचियाँ तैयार करना:**
  - दलालों की सूची तैयार करने और प्रकाशति करने का अधकिार** रखने वाले प्राधकिारी अधीनसूथ अदालतों को दलाल होने के कथति या संदगिध व्यक्तीयों के आचरण की जाँच करने का आदेश दे सकते हैं ।
  - एक बार जब ऐसा व्यक्ती दलाल साबति हो जाता है, तो उसका नाम प्राधकिारी द्वारा दलालों की सूची में शामिल किया जा सकता है । कसिी भी व्यक्ती को उसके शामिल किये जाने के वरिद्ध कारण बताने का अवसर प्राप्त किये बिना ऐसी सूचियाँ में शामिल नहीं किया जाएगा ।
- दंड (Penalty):** कोई भी व्यक्ती जो दलाल के रूप में कार्य करता है, जबकि उसका नाम दलालों की सूची में शामिल है, उसे तीन महीने तक की कैद, 500 रुपए तक का जुर्माना या दोनों से दंडति किया जाएगा ।

## अधिवक्ता अधिनियम, 1961 क्या है?

- अधिवक्ता अधिनियम, 1961, भारतीय वधि व्यवसायियों (Legal Practitioners) से संबधति वधि को संशोधति एवं समेकति करने तथा [बार काउंसिल](#) व एक [अखलि भारतीय बार](#) के गठन का प्रावधान करने के लिये अधिनियमति किया गया था ।
- इस अधिनियम ने अधकिांश वधि व्यवसायी अधिनियम, 1879 को नरिसूत कर दिया हालाँकि इसकी सीमा, परभाषाएँ, दलालों की सूची बनाने और प्रकाशति करने की शक्तियाँ व अन्य उपबंध यथावत बने रहे ।

वधिकि दृष्टिकोण: [अधिवक्ता संशोधन अधिनियम, 2023](#)

## UPSC सविलि सेवा परीक्षा, वगित वर्ष के प्रश्न

प्रश्न. भारत के संदर्भ में नमिनलखिति कथनों पर वचिर कीजयि: (2022)

1. सरकारी वधि अधिकारी और वधिकि फरम अधविक्ताओं के रूप में मान्यता प्राप्त हैं, कति कॉर्पोरेट वकील और पेटेंट न्यायवादी अधविक्ता की मान्यता से बाहर रखे गये हैं।
2. वधिजिज्ञ परषिदों (बार काउंसलि) को वधिकि शकिषा और वधि विशिवदियालयों की मान्यता के बारे में नयिम अधकिथति करने की शक्ति है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

- (a) केवल 1
- (b) केवल 2
- (c) 1 और 2 दोनों
- (d) न तो 1 और न ही 2

उत्तर: (b)

